**बिहार बैडमिन्टन एशोसियेशन के तत्वावधान में आयोजित ''81वीं सीनियर नेशनल बैडमिन्टन चैम्पियनशिप'' के उद्घाटन के अवसर पर**
**महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द का सम्बोधन**

**(दिनांक–02.02.2017, समय–अपराह्न–6:00 बजे, स्थान–पाटलिपुत्र स्पोट्स कॉम्पलेक्स, कंकड़बाग, पटना)**

'बिहार बैडमिन्टन एशोसियेशन' के तत्त्वावधान में ''72वें अन्तर्राज्यीय अन्तर्क्षेत्रीय तथा 81वीं सीनियर नेशनल बैडमिन्टन चैम्पियनशिप'' के उद्घाटन के अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित बिहार के वित्तमंत्री–सह– बिहार बैडमिन्टन एशोसियेशन के अध्यक्ष श्री अब्दुल बारी सिद्दीकी जी, मानद सचिव श्री के॰एन॰ जायसवाल जी, एशोसियेशन के सभी अधिकारीगण, राज्य सरकार के अधिकारीगण, टूर्नामेंट में भाग लेने आयी टीमों के मैनेजर एवं कप्तानगण, युवा खिलाड़ीगण, मीडिया–प्रतिनिधिगण, खेलप्रेमी देवियों एवं सज्जनों !!

बिहार में नये वर्ष की शुरूआत उत्सवों से ही हुई है। हमने गुरू गोविन्द सिंह जी महाराज के '350वें प्रकाश पर्व' का उत्कृष्ट एवं सफल आयोजन कर पूरी दुनियाँ का ध्यान आकृष्ट किया। दलाईलामा के नेतृत्व में बोधगया में सम्पन्न कालचक्र पूजा, नशाबंदी के पक्ष में राज्य में तीन करोड़ से भी अधिक लोगों द्वारा तैयार की गई ऐतिहासिक मानव– श्रृंखला, आदि राज्य के ऐसे महत्त्वपूर्ण आयोजन रहे, जो वर्षों तक अविस्मरणीय बने रहेंगे। गाँधीजी की 'चम्पारण यात्रा का शताब्दी वर्ष' भी हम मनाने जा रहे हैं। साथ ही, हमारी बिहार पुलिस ने अखिल भारतीय कुश्ती एवं उससे जुड़े खेलकूदों का पिछले ही सप्ताह पटना में सफल आयोजन किया है। और आज, अब ''72वीं अन्तर्क्षेत्रीय एवं 81वीं सीनियर नेशनल बैडमिन्टन चैम्पियनशिप'' की शुरूआत होने जा रही है। मैं समझता हूँ, नये साल का आगाज हमने काफी बेहतरीन तरीके से किया है। मित्रों, यह सिलसिला चाहे खेल–महोत्सवों का

हो, चाहे धार्मिक या सांस्कृतिक आयोजनों का हो, लगातार बिहार में चलते रहना चाहिये। ऐसे आयोजनों और उत्सवों के फलस्वरूप हमारी ऊर्जा में वृद्धि के साथ–साथ, राष्ट्रीय एकता को ताकत मिलती है।

खेलकूद की गतिविधियाँ समाज में भाईचारा, शांति, समरसता और सद्भावना को विकसित करती हैं। स्वामी विवेकानन्द जी की उक्ति है कि ''गीता के ज्ञान को ठीक से समझना है तो पहले मन भर फुलबॉल खेल लो।'' इस कथन का आशय यह है कि खेल की भावना, 'स्पोर्ट्समेनशिप', हममें जीवन के प्रति आस्था और कर्मशीलता का भाव भी जगाती है। आज की भौतिकवादी दुनियाँ में जहाँ कदम–कदम पर संघर्ष–ही–संघर्ष है, तनाव–ही–तनाव है –मनुष्य को ऊर्जावान, अनुशासित, नियमबद्ध और भाईचारापूर्ण बनाने में खेलकूद काफी सहायक सिद्ध हो सकते हैं। खेलकूद पूरी दुनियाँ को मुहब्बत का पैगाम देते हैं, जिससे 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना का विकास होता है। खेलकूद के महाकुंभ –'ओलम्पिक गेम्स' का जब आयोजन होता है, तो पूरी दुनियाँ की निगाह उस पर टिकी रहती है।

मित्रों, भारत में भी खेलकूद को महत्त्व दिया जाता है। कई संस्थाएँ, कई संगठन, खेलकूदों के विकास में लगे हुए हैं। परन्तु, अधिकांश खेलों में हमारा प्रदर्शन विश्वस्तरीय नहीं हो पाया है और हमें अपेक्षित सफलता नहीं मिल पायी है। कई विदेशी खेलों की लोकप्रियता आज हमारे देश में भी अगर सर चढ़कर बोल रही है, तो उसके पीछे उन खेलों से आम जनता का जुड़ाव है। किक्रेट आज गली–मुहल्लों और घर–घर तक पहुँच गया है, तो उसे लोकप्रिय बनाने में हमारी मीडिया और हमारे संचार–माध्यमों का भी बहुत बड़ा योगदान है। बैडमिन्टन भी एक ऐसा ही खेल है, जो किक्रेट की तुलना में काफी कम खर्च और छोटे मैदान में आयोजित होकर भी, पूरे देश में काफी लोकप्रिय है।

किक्रेट तथा फुटबॉल–वालीबॉल के बाद, अगर कोई आऊटडोर गेम भारत में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है, तो वह बैडमिन्टन ही है।

बैडमिन्टन की भारत में काफी लोकप्रियता भी रही है और इसमें हमारा प्रदर्शन भी अन्य खेलों की तुलना में बेहतर रहा है। साईना नेहवाल, प्रकाश पादुकोन, पी॰गोपीचन्द, पी॰वी॰ सिन्धु के अलावे, सौरभ वर्मा, अजय जयराम, चेतन आनन्द, बी॰ साईं॰ प्रनीथ, आनन्द पवार, समीर वर्मा, अरविन्द भट्ट, पी॰सी॰ तुलसी, नेहा पंडित, तन्वी, अरून्धती, मुद्रा, अदिति, धन्या नायर जैसे कई पुरूष और महिला बैडमिन्टन खिलाड़ी हमारे देश में हैं, जिन्होंने विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में भारत का नाम रोशन किया है। मुझे बताया गया है कि बिहार से भी कई युवा बैडमिन्टन गेम की दुनियाँ में अपना जौहर दिखा रहे हैं।

मुझे खुशी है कि राज्य सरकार विभिन्न महोत्सवों तथा जिला स्थापना–दिवसों के आयोजन हेतु कला–संस्कृति, पर्यटन तथा जन–सम्पर्क विभाग आदि के माध्यम से समुचित राशि व्यय करती है। इन कार्यक्रमों के आयोजन से बिहार की ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विरासतों के प्रति गौरवान्वित होने का सुअवसर राज्यवासियों को प्राप्त होता है। साथ ही, हम ऐसे अवसरों पर अपने विकास–कार्यों के प्रति भी दृढ़संकल्पित होते हैं।

मैं राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से भी यह अपेक्षा रखता हूँ कि वे अपने–अपने विश्वविद्यालयों में खेलकूद की गतिविधियों को और अधिक विकसित करें। विश्वविद्यालय–परिसरों में अन्तर विश्वविद्यालयीय किक्रेट, हॉकी, बैडमिन्टन, फुटबॉल, वालीबॉल के साथ–साथ, स्थानीय खेलों या ओलम्पिक में शामिल खेलों की प्रतियोगिताएँ बराबर आयोजित होती रहनी चाहिए। इससे शिक्षण–संस्थानों में अध्ययन का माहौल बनाने में भी मदद मिलेगी। एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के माहौल में युवाओं में भाईचारा, एकता, प्रेम और ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति विकसित होगी। ग्रामीण क्षेत्रों

में खेलकूद के मैदानों, आंतरिक संसाधनों आदि को विकसित कर ग्रामीण प्रतिभाओं को भी राष्ट्रीय क्षितिज पर उभारा जा सकता है। केन्द्र और राज्य सरकार की कई योजनाएँ इसके लिए संचालित हो रही हैं, जिनके सफल कार्यान्वयन के माध्यम से हम खेलकूद की दुनियाँ में भी पूरे विश्व में अपना नाम रोशन कर सकते हैं।

'सीनियर नेशनल बैडमिन्टन चैम्पियनशिप' के पटना में आयोजन से राज्य मे खेलकूद की गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इस चैम्पियनशिप में भारत के विभिन्न राज्यों एवं संगठनों से आये खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन देखने का सुअवसर आप सबको मिलेगा। श्री सिद्दीकी साहब खेलकूद में काफी गहरी अभिरूचि रखते हैं। जिस राज्य का वित्तमंत्री ही खेलकूद के प्रति इतना गहरा लगाव रखता है, वहाँ संसाधनों की कोई कमी नहीं होगी –ऐसा मेरा विश्वास है। मैं इस बैडमिन्टन चैम्पियनशिप के सफल आयोजन के प्रति अपनी शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ तथा सभी खिलाड़ियों, आयोजकों एवं बिहार की खेलप्रेमी जनता को अपनी हार्दिक बधाई देता हूँ। आप सबको बहुत–बहुत धन्यवाद!

जय हिन्द !!

***

---

**प्रस्तुति–जन–सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना**